

बिरला विद्या निकेतन

विषय—हिन्दी (वर्कशीट—5)

कक्षा—चार

1 नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दो—

एक सियार नदी किनारे घूम रहा था। वहाँ कुछ धोबी कपड़े धो रहे थे। सियार नील के बर्तन से जा टकराया। नील का पानी सियार पर आ गिरा। वह डरकर भागा। कुछ दूर आकर उसने देखा वह नीला हो गया था। उसने सोचा — चलो सबको मूर्ख बनाया जाए। वह जंगल में गया और सबसे बोला, “मैं जंगल का राजा हूँ। मैं आकाश से आया हूँ। सबको मेरी बात माननी पड़ेगी।” सब जानवर जोर से हँसे। वे बोले, “अच्छा आसमान से आए हो। पहले नदी में नहाकर आ जाओ फिर आपका राजतिलक होगा।” सियार न चाहते हुए भी नदी में नहाया। सारा नील धुल गया। नदी के किनारे खड़े सब जानवर जोर—जोर से हँसने लगे। सियार सिर झुकाकर वहाँ से चला गया।

प्रश्न धोबी कपड़े कहाँ धो रहे थे ?

उत्तर धोबी नदी के किनारे कपड़े धो रहे थे ?

प्रश्न सियार किस रंग का हो गया ?

उत्तर सियार नीले रंग का हो गया था।

प्रश्न सियार ने सबको मूर्ख बनाने के लिए क्या कहा ?

उत्तर— सियार जंगल में गया और सबसे कहा कि मैं जंगल का राजा हूँ और मैं आकाश से आया हूँ। सबको मेरी बात माननी पड़ेगी।

प्रश्न सही उत्तर चुनो—

क—सियार किससे जा टकराया ?

बर्तन से पेड़ से धोबी से ।

ख—सियार क्या झुकाकर वहाँ से चला गया ?

गर्दन सिर आँख

प्रश्न गद्यांश में से ढूँढ़कर धोबिन और रानी शब्दों के लिंग बदलो ।

धोबी और राजा

प्रश्न चार संज्ञा शब्द गद्यांश में से ढूँढ़कर लिखो ।

सियार, नदी, धोबी, कपड़े

प्रश्न गद्यांश में, 'मैं जंगल का राजा हूँ।' वाक्य में मैं शब्द किसके लिए प्रयोग किया गया है ?

सियार